CHAUDHARY BANSI LAL UNIVERSITY BHIWANI

भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग

P.G. DIPLOMA IN TRANSLATION HINDI/ENGLISH
SCHEME AND SYLLABUS

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार जुलाई 2025 से लागू

Syllabus of P.G. Diploma in Translation Course to be offered

By Department
भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग

P.G. Diploma in Translation (Hindi/English) (PGDIT)

Department of
भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग

Duration and class Schedule

- The duration of this course is one academic year, with two semesters. Each Semester will consist 12-15 weeks of academic work equivalent to 90 actual Lectures, Tutorials, Practical Work, Project Work, Dissertation, Viva, Assignments, Presentation etc. or a combination of some of these.
- **Academic Eligibility:**

Bechelor degree with English Hindi as main subject with 45% marks (42.75% marks for SC/ST candidates of Haryana only) in aggregate. M.A. English, Hindi and Sanskrit will be given weightage of 10 marks.

Number of Seats : 30 seats

Seat Allocation as per State Govt. Reservaion Reules:

Sr. No.	Name of Program	Break up of seats as per State Govt. Reservation Policy								No. of Sanctioned seats
		AIO	HOGC	SC		BC (A)	BC (B)	DA/PWD PH/ES/M/ DFF	EWS	
				SC	Deprived SC					
1	P.G. Diploma in Translation (Hindi/English)	4	11	3	3	4	3	1	01	30

Programme Fee : As per University norms

Programme Outcomes

1. अनुवाद के व्यावहारिक स्वरूप का परिचय करना। जीवन के विभिन्न संदर्भों में अनुवाद के महत्त्व से अवगत होना।
2. अनुवाद के विशिष्ट गुणों से परिचित करवाना।
3. अनुवाद में आने वाली समस्याओं से परिचित करवाना।
4. प्रशासनिक अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान करना।
5. प्रशासनिक कामकाज में अनुवाद की उपयोगिता का ज्ञान होगा।
6. अनुवाद के सिद्धान्त एवं व्यवहार का बोध कराना।
7. इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा देना।
8. भाषाओं के विकास से परिचित कराना।
9. पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान करारा।
10. जनसंचार माध्यमों के अनुवाद की प्रक्रिया समझाना एवं उनमें आने वाली समस्याओं का समाधान करना।

P.G. Diploma in Translation (Hindi/English)
(PGDIT)
Department of
भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग

Semester-1

Sr. No.	Paper Code	Nomenclature	Theory Marks	Internal Assessment	Practical	Total Marks	Credit			Credit Total	contact hours
							L	T	P		
1	PGDIT-101	अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि	70	30	----	100	4	0	0	4	4 Hr.
2	PGDIT-102	सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद	70	30	----	100	4	0	0	4	4 Hr.
3	PGDIT-103	कार्यालय कार्य विधि एवं पत्राचार	70	30	----	100	4	0	0	4	4 Hr.
4	PGDIT-104	अनुवाद प्रबंध	---	---	200	200	-	00	08	8	16 Hr.
		प्रथम सेमेस्टर अंक	**210**	**90**	**200**	**500**	**12**	**00**	**08**	**20**	**28Hr.**
Semester-2											
5	PGDIT-201	व्यावहारिक अनुवाद	70	30	----	100	4	0	0	4	4 Hr.
6	PGDIT-202	अनुवाद कौशल	70	30	----	100	4	0	0	4	4 Hr.
7	PGDIT-203	कोश और पारिभाषिक शब्दावली	70	30	----	100	4	0	0	4	4 Hr.
8	PGDIT-204	अनुवाद प्रबंध	---	--	200	200	-	00	08	8	16 Hr.
		द्वितीय सेमेस्टर अंक	**210**	**90**	**200**	**500**	**12**	**00**	**08**	**20**	**28Hr.**
		कुल अंक	**420**	**180**	**400**	**1000**	**24**	**00**	**16**	**40**	

Semester-1 :

* Credit	** Marks
06	150 (Dissertation)
02	50 (Viva-Voce)

Semester-2 :

# Credit	## Marks
06	150 (Dissertation)
02	50 (Viva-Voce)

Evaluation of Internal Assessment

Internal Assessment will be based on the following components.

i. Class Participation/Attendance — 05 Marks

ii. Seminar/Presentation/Assignments/Quiz/Class Test etc. — 10 Marks

iii. Mid-Term Exam — 15 Marks

पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (हिन्दी/अंग्रेजी)
(सेमेस्टर–प्रथम)
अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आन्तरिक मूल्यांकन : 30
समय : 03 घंटे

विषय कोड : PGDIT-101

निर्देश :–

पूरे पाठयक्रम से कुल 9 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई–1

1.1 अनुवाद अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
1.2 अनुवाद के क्षेत्र
1.3 अनुवाद के स्रोत
1.4 अनुवाद का इतिहास

इकाई–2

2.1 अनुवाद के प्रकार
2.2 शब्दानुवाद
2.3 छायानुवाद
2.4 सारानुवाद

इकाई–3

3.1 अनुवाद प्रक्रिया : विश्लेषणा, अंतरण और पुनर्गठन
3.2 अनुवाद में अभिव्यक्ति की कठिनाइयाँ
3.3 अनुवाद की आवश्यकता और महत्व
3.4 वैज्ञानिक युग में अनुवाद की प्रासंगिकता

इकाई–4

4.1 अनुवाद और अनुवादक
4.2 अच्छे अनुवादक के गुण
4.3 अनुवादक का उत्तरदायित्व
4.4 अनुवाद की समस्याएं

संदर्भित पुस्तकें :

1. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग, जी गोपीनाथन, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद, संस्करण 1985
2. अनुवाद विज्ञान, डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, संस्करण 1993
3. अनुवाद प्रक्रिया, डॉ. रीतारानी पालीवाल, साहित्य निधि, नई दिल्ली, संस्करण 1992
4. अनुवाद की परंपरा, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन अहमदाबाद, संस्करण 2001
5. 'अनुवाद भारती' त्रैमासिक पत्रिका, डॉ. राम गोपाल सिंह, अखिल भारतीय अनुवाद परिशद, अहमदाबाद

6. अनुवाद विज्ञान : स्वरूप और समस्याएँ, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद, संस्करण 1999
7. अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप, डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2004

पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (हिन्दी / अंग्रेजी)
(सेमेस्टर–प्रथम)
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आन्तरिक मूल्यांकन : 30
समय : 03 घंटे

विषय कोड : PGDIT-102

निर्देश :–

पूरे पाठयक्रम से कुल 9 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई–1

1.1 सृजनात्मक साहित्य अर्थ, परिभाशा और स्वरूप
1.2 सृजनात्मक साहित्य के अनुवाद के प्रकार
1.3 सृजनात्मक साहित्य के अनुवाद की विशेषताएँ
1.4 सृजनात्मक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ

इकाई–2

2.1 काव्यानुवाद : अर्थ एवं स्वरूप
2.2 काव्यानुवाद की समस्याएँ
2.3 बाल–साहित्य अनुवाद
2.4 बाल–साहित्य अनुवाद की समस्याएँ

इकाई–3

3.1 नाटक अनुवाद अर्थ एवं स्वरूप
3.2 नाटक अनुवाद की समस्याएँ
3.3 लोक–साहित्य अनुवाद
3.4 लोक–साहित्य अनुवाद की समस्याएँ

इकाई–4

4.1 कथा साहित्य एवं अनुवाद की समस्याएँ
4.2 लिप्यांतरण की समस्याएँ
4.3 नव्यत्तर विधाएँ और अनुवाद
4.4 नव्यत्तर विधाएँ और अनुवाद की समस्याएँ

संदर्भित पुस्तकें :

1. अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप, कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2004
2. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, सुरेश सिंहल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 2002
3. अनुवाद : भाषाएँ एवं समस्याएँ, डॉ. अय्यर, एन.ई. विश्वनाथ, ज्ञानगंगा दिल्ली, संस्करण 1992
4. काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ, डॉ. नगीनचंद्र सहगल, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, संस्करण 1991
5. अनुवाद निरूपण, डॉ. भारती गोरे, विकास प्रकाशन, कानपुर, संस्करण 2004

पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (हिन्दी/अंग्रेजी)
(सेमेस्टर–प्रथम)
कार्यालय कार्य विधि एवं पत्राचार

विषय कोड : PGDIT-103

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आन्तरिक मूल्यांकन : 30
समय : 03 घंटे

निर्देश :–

पूरे पाठयक्रम से कुल 9 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई–1

1.1 कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र, स्थिति और सम्भावनाएँ
1.2 टिप्पण का स्वरूप, विशेशताएँ और भाषा शैली
1.3 टिप्पण के प्रकार व उद्देश्य
1.4 टिप्पण लिखते समय प्रयुक्त होने वाले वाक्य

इकाई–2

2.1 प्रूफ–पठन : अर्थ और परिभाशा
2.2 प्रूफ–पठन के चिह्न
2.3 प्रूफ–रिडर के कर्त्तव्य
2.4 प्रूफ–रिडिंग की समस्याएँ

इकाई–3

3.1 प्रारूपण : अर्थ और परिभाशा
3.2 सरकारी पत्र
3.3 अर्द्ध–सरकारी पत्र
3.4 अनौपचारिक पत्र

इकाई–4

4.1 ज्ञापन, कार्यालय–ज्ञापन,
4.2 परिपत्र
4.3 अनुस्मारक, स्वीकृति पत्र
4.4 सूचना, अधिसूचना, प्रैस–विज्ञप्ति

संदर्भित पुस्तकें :

1. कार्यालय में हिंदी प्रयोग की दिशाएँ, शुक्ल, उमा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 1990
2. कार्यालय कार्यविधि, रामचन्द्र सिंह सागर, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, संस्करण 1963
3. कार्यालय पद्धति एवं संगठन, श्री कृष्ण दत्त शर्मा, गोविन्दपुरी नयाराम गढ़ रोड़ जयपुर, संस्करण 1980
4. वृहत हिंदी लोकोक्ति कोश, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1955
5. हिंदी मुहावरा कोश, डॉ. भोलानाथ तिवारी, हिंदी बुक सेंटर दिल्ली, संस्करण 1991

पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (हिन्दी / अंग्रेजी)
(सेमेस्टर–प्रथम)
अनुवाद–प्रबन्ध

क्रेडिट : 08
पूर्णांक : 200
क्रेडिट समय : 16 घंटे

विषय कोड : PGDIT-104

– चतुर्थ प्रश्न–पत्र अनुवाद–प्रबंध के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को हिन्दी की **किसी स्तरीय रचना,पुस्तक,शोध पत्रिका,समाचार–पत्र** के 40–50 पृष्ठों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करके विश्वविद्यालय के नियमानुसार टंकित रूप में सेमेस्टर की परीक्षा के उपरान्त (एक महीने के अंदर) जमा करना होगा।

– अनुवाद सामग्री का निर्धारण विभाग द्वारा किया जाएगा।

– अनुवाद–प्रबंध की मौखिक परीक्षा बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी।

– अनुवाद–प्रबंध में लगभग 5 पृष्ठों की एक भूमिका जोड़ना अनिवार्य होगा, जिसमें विद्यार्थी अपने अनुवाद की विधि को स्पष्ट करेगा तथा अनुवाद करते समय आने वाली कठिनाइयों का भी उल्लेख करेगा।

– अनुवाद–प्रबंध के अन्त में लगभग 5 से 10 पृष्ठों का एक परिशिष्ट भी अनिवार्य–रूप से जोड़ा जाएगा, जिसमें विद्यार्थी अपने अनुवाद–कार्य में प्रयुक्त प्रमुख पारिभाषिक शब्दों तथा कठिन शब्दों के अर्थ लिखेगा।

– प्रत्येक विद्यार्थी को अनुवाद प्रबंध की तीन प्रतियां जमा करवानी होगीं।

– अनुवाद–प्रबंध जमा कराते समय मूल पाठ की एक फोटो–कापी भी अनिवार्य रूप से संलग्न करनी होगी।

	क्रेडिट	अंक
अनुवाद कार्य :	**06 क्रेडिट**	**150**
मौखिकी	**02 क्रेडिट**	**50**

पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (हिन्दी/अंग्रेजी)
(सेमेस्टर–द्वितीय)
व्यावहारिक अनुवाद

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आन्तरिक मूल्यांकन : 30
समय : 03 घंटे

विषय कोड : PGDIT-201

निर्देश :–

पूरे पाठयक्रम से कुल 9 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई–1

1.1 साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ
1.2 वैज्ञानिकी एवं तकनीकी अनुवाद की समस्याएँ
1.3 जनसंचार माध्यमों के अनुवाद की समस्याएँ
1.4 कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ

इकाई–2

2.1 अंग्रेजी के पाँच मुहावरें और पाँच लोकोक्तियों का हिन्दी में अनुवाद
2.2 हिन्दी के पाँच मुहावरें और पाँच लोकोक्तियों का अंग्रेजी में अनुवाद
2.3 अंग्रेजी अनुच्छेद (150 शब्द) का हिन्दी में अनुवाद
2.4 हिन्दी अनुच्छेद (150 शब्द) का अंग्रेजी में अनुवाद

इकाई–3

3.1 प्रशासनिक पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी)
3.2 वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी)
3.3 मानविकी पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी)
3.4 समाज विज्ञान पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी)

इकाई–4

4.1 हिन्दी पत्रिका के अंश का अंग्रेजी में अनुवाद
4.2 अंग्रेजी पत्रिका के अंश का हिन्दी में अनुवाद
4.3 हिन्दी समाचार पत्र के अंश का अंग्रेजी में अनुवाद
4.4 अंग्रेजी समाचार पत्र के अंश का हिन्दी में अनुवाद

संदर्भित पुस्तकें :

1. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ, भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन दिल्ली, संस्करण 1975
2. अनुवाद की समस्याएँ, जी.पी. गोपीनाथन लोकभारती प्रकाशन, संस्करण 2011
3. अनुवाद की भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण 2008, द्वितीय 2014
4. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन अहमदाबाद, संस्करण 1999
5. हिंदी वाक्य रचना पर अंग्रेजी का प्रभाव, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद, संस्करण 1997

पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (हिन्दी / अंग्रेजी)
(सेमेस्टर–द्वितीय)
अनुवाद कौशल

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आन्तरिक मूल्यांकन : 30
समय : 03 घंटे

विषय कोड : PGDIT-202

निर्देश :–पूरे पाठयक्रम से कुल 9 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई–1

1.1 अनुवाद कौशल का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
1.2 अनुवाद कौशल के तत्त्व
1.3 अनुवादक के गुण
1.4 अनुवादक की चुनौतियाँ

इकाई–2

2.1 अनुवाद के मूल्यांकन का मूलाधार
2.2 अनुवाद की व्यावसायिक सम्भावनाएँ
2.3 विभिन्न विषयों के मूल्यांकन की कसौटी
2.4 अनुवाद मूल्यांकन का महत्त्व

इकाई–3

3.1 अनुवाद पुनरीक्षण अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
3.2 पुनरीक्षण की आवश्यकता
3.3 पुनरीक्षण करने की योग्यता
3.4 पुनरीक्षण का महत्त्व

इकाई–4

4.1 यूजीन ए नाइडा (पाश्चात्य अनुवाद विशेषज्ञ)
4.2 डेविड रूबिन (पाश्चात्य अनुवाद विशेषज्ञ)
4.3 भोलानाथ तिवारी (भारतीय अनुवाद विशेषज्ञ)
4.4 भारतेंदु हरिश्चन्द्र (भारतीय अनुवाद विशेषज्ञ)

संदर्भित पुस्तकें :

1. अनुवाद के विविध परिप्रेक्ष्य, डॉ. राम गोपाल सिंह जादौन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, संस्करण 2009
2. अनुवाद विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2004
3. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग, डॉ. जी.पी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 1985
4. अनुवाद की परंपरा, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, संस्करण 2001
5. अनुवाद विज्ञान : स्वरूप और समस्याएँ, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद, संस्करण 1999
6. अनुवाद निरूपण, डॉ. भारती गोरे, विकास प्रकाशन, कानपुर, संस्करण 2004

पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (हिन्दी / अंग्रेजी)
(सेमेस्टर–द्वितीय)
कोश और पारिभाषिक शब्दावली

विषय कोड : PGDIT-203

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आन्तरिक मूल्यांकन : 30
समय : 03 घंटे

निर्देश :–पूरे पाठयक्रम से कुल 9 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई–1

1.1 कोश अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
1.2 कोश के प्रकार–भाषा, आकार, विषय के आधार पर
1.3 कोश निर्माण के सिद्धांत
1.4 कोश निर्माण की कठिनाइयां

इकाई–2

2.1 संस्कृत हिन्दी कोश अध्ययन
2.2 अंग्रेजी हिन्दी कोश अध्ययन
2.3 प्रशासनिक शब्दावली कोश अध्ययन
2.4 अनुवाद में कोश की उपयोगिता

इकाई–3

3.1 पारिभाषिक शब्दावली अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
3.2 पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोजन
3.3 पारिभाषिक शब्दावली का इतिहास
3.4 पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

इकाई–4

4.1 पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद
4.2 अनुवाद में पारिभाषिक शब्दावली की उपयोगिता
4.3 पारिभाषिक शब्दावली की कठिनाइयां
4.4 पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की संस्थाओं का परिचय

संदर्भित पुस्तकें :

1. कोश निर्माण : सिद्धांत और परंपरा, सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा, संस्करण 1977
2. बृहत–पारिभाषिक संग्रह खण्ड–1 वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, संस्करण 1973
3. पारिभाषिक शब्दसंग्रह, गोपाल रामचंद्र परांजये, बिट्ठल हरि बर्वे, आर्य भूषण प्रेस, पुणे, संस्करण 1932
4. कोश विज्ञान, डॉ भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1979
5. साहित्यिक पारिभाषिक शब्दावली, डॉ. प्रेम नारायण टंडन, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ, संस्करण 1962

पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (हिन्दी / अंग्रेजी)
(सेमेस्टर–द्वितीय)
अनुवाद–प्रबन्ध

विषय कोड : PGDIT-204

क्रेडिट : 08
पूर्णांक : 200
क्रेडिट समय : 16 घंटे

– चतुर्थ प्रश्न–पत्र अनुवाद–प्रबंध के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को अंग्रेजी की **किसी स्तरीय रचना,पुस्तक,शोध पत्रिका,समाचार–पत्र** के 40–50 पृष्ठों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करके विश्वविद्यालय के नियमानुसार टंकित रूप में सेमेस्टर की परीक्षा के उपरान्त (एक महीने के अंदर) जमा करना होगा।

– अनुवाद सामग्री का निर्धारण विभाग द्वारा किया जाएगा।

– अनुवाद–प्रबंध की मौखिक परीक्षा बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी।

– अनुवाद–प्रबंध में लगभग 5 पृष्ठों की एक भूमिका जोड़ना अनिवार्य होगा, जिसमें विद्यार्थी अपने अनुवाद की विधि को स्पष्ट करेगा तथा अनुवाद करते समय आने वाली कठिनाइयों का भी उल्लेख करेगा।

– अनुवाद–प्रबंध के अन्त में लगभग 5 से 10 पृष्ठों का एक परिशिष्ट भी अनिवार्य–रूप से जोड़ा जाएगा, जिसमें विद्यार्थी अपने अनुवाद–कार्य में प्रयुक्त प्रमुख पारिभाषिक शब्दों तथा कठिन शब्दों के अर्थ लिखेगा।

– प्रत्येक विद्यार्थी को अनुवाद प्रबंध की तीन प्रतियां जमा करवानी होगीं।

– अनुवाद–प्रबंध जमा कराते समय मूल पाठ की एक फोटो–कापी भी अनिवार्य रूप से संलग्न करनी होगी।

	क्रेडिट	अंक
अनुवाद कार्य	**: 06 क्रेडिट**	**150**
मौखिकी	**: 02 क्रेडिट**	**50**